दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक दैनिक हो गया है। इसका सर्वे का कार्य आगे भी तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 27 नवम्बर 2019 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए | वर्ष-02, अंक- 60

संविधान निर्माताओं की दूरदर्शिता के कारण हम सब सुरक्षितः राष्ट्रपति

» संसद ने मनाई संविधान की 70वीं वर्षगांठ

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने संविधान दिवस की 70वीं वर्षगांठ पर संसद के संयुक्त सदन की बैठक में कहा कि संविधान निर्माताओं की दूरदर्शिता के कारण आज हम सब देश में सुरक्षित है। उन्होंने मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों को एक सिक्के के दो पहलू बताते हुए कि अधिकारों के साथ हमे अपने कर्तव्यों का भी पालन करना चाहिए।

भारतीय संविधान दिवस पर संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने वैचारिक मतभेदों से ऊपर उठकर, संविधान-सम्मत प्रक्रियाओं का पालन करने को संवैधानिक नैतिकता का 'सार-तत्व' बताया और कहा कि देश में हर प्रकार की परिस्थिति का सामना करने के लिए संविधान सम्मत रास्ते उपलब्ध हैं और इसलिये संविधान की मर्यादा, गरिमा और नैतिकता के अनुरूप काम करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हम सभी को संवैधानिक मूल्यों, ईमानदारी को अपनाते हुए भय, प्रलोभन, पक्षपात, राग द्वेष एवं भेदभाव से मुक्त रहकर काम करने की आवश्यकता है। ऐसे में संविधान निर्माताओं की भावना को शुद्ध अंतरूकरण से अपनाना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि भय, प्रलोभन, राग-द्वेष, पक्षपात और भेदभाव से मुक्त रहकर शुद्ध अन्तःकरण के साथ कार्य करने की भावना को हमारे महान संविधान निर्माताओं ने अपने जीवन में पूरी निष्ठा व ईमानदारी से अपनाया था। उनमें यह विश्वास जरूर रहा होगा कि उनकी भावी पीढ़ियां, अर्थात हम सभी देशवासी भी, उन्हीं की तरह, इन जीवन-मूल्यों को, उतनी ही सहजता और निष्ठा से अपनाएंगे।

संवैधानिक मूल्यों के प्रति संकल्पबद्धता जरुरीः नायडू

संविधान दिवस के अवसर पर मंगलवार को उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने 'भारतीय संसदीय लोकतंत्र में राज्यसभा की भूमिका' नामक पुस्तक को जारी किया और इसकी पहली प्रति राष्ट्रपति कोविंद को भेंट की। नायडू ने इस मौके पर देश के नागरिकों का आह्वान किया कि यदि वे प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों को निभायें तथा राष्ट्रीय उद्देश्यों एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति संकल्पबद्ध रहें तो देश का तेजी से विकास हो सकता है और यह अधिक परिपक्व लोकतंत्र बन सकता है। नायडू नेदेशवासियों से संविधान की मान्यताओं और मर्यादाओं के संरक्षण और संवर्धन के प्रति पुनरू संकल्पबद्ध होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि हम प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों को निभायें तथा राष्ट्रीय उद्देश्यों एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति संकल्पबद्ध रहें तो देश का तेजी से विकास हो सकता है और यह अधिक परिपक्व लोकतंत्र बन सकता है।

अधिकारो व कर्तव्यों का संतुलन जरुरीः मोदी

संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा संविधान हमारे लिए सबसे बड़ा और पवित्र ग्रंथ है। हमारा संविधान इतना व्यापक इसलिए है, क्योंकि उसने बाहर के प्रकाश के लिए अपने खिड़कियां खुली रखी हैं। भारतीय संविधान ने दो मंत्रों 'भारतीयों के लिए गरिमा' और 'भारत की एकता' को साकार किया है। उन्होंने भारतीय नागरिकों का आह्वान किया कि हम सब देश के नव नागरिक और नेक नागरिक बनें। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे संविधान की मजबूती के कारण ही हम 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की तरफ आगे बढ़ पा रहे हैं। भारतीयों के लिये गरिमा और भारत की एकता के लिए संविधान ने इन दो मंत्रों को साकार किया है। उन्होंने कहा कि संविधान अधिकारों के प्रति सजग एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाता है, ऐसे में हमें नागरिक के तौर पर अधिकारों एवं कर्तव्यों में संतुलन बनाना होगा। उन्होंने कहा कि अधिकारों और कर्तव्यों के बीच के इस रिश्ते और इस संतुलन को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने बखूबी समझा था। आज जब देश पूज्य बापू की 150वीं जयंती का पर्व मना रहा है तो उनकी बातें और भी प्रासंगिक हो जाती हैं।

संविधान को असंतुलित न करेंः बिरला

इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अनुशासन को मौलिक अधिकारों द्वारा प्रदान की गई स्वतंत्रता और शक्तियों के प्रयोग की एक जरूरी शर्त बताते हुए कहा कि कर्तव्यों से विमुख होकर सिर्फ अधिकारों की बात करने से एक प्रकार का असंतुलन पैदा होगा। उन्होंने कहा कि संविधान में जहां एक तरफ मौलिक अधिकारों के रूप में हमें पर्याप्त स्वतंत्रता और शक्तियां दी गई हैं।

महत्वपूर्ण एवं खास

बाल विवाह कानून में संशोधन पर सरकार कर रही विचार

नई दिल्ली (आरएनएस)। महिला और बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा है कि सरकार संबंधित एजेंसियों द्वारा बाल विवाह की रिपोर्टिंग को अनिवार्य बनाने के लिए बाल विवाह रोकथाम अधिनियम में संशोधन करने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा है कि उनसे 18 साल से कम उम्र की विवाहित लड़कियों के गर्भधारण की बड़ी संख्या के मद्देनजर बाल विवाह के बारे में पूछा गया था। देश में 18 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों में गर्भधारण के मामलों की संख्या 21 प्रतिशत है।

डीआरडीओ चेयरमैन को ब्रिटेन से मिला सम्मान

नई दिल्ली (आरएनएस)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन, डीआरडीओ) के चेयरमैन जी. सतीश रेड्डी को रॉयल एयरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ यूके ने मानद फेलोशिप से सम्मानित किया है। सूत्रों के अनुसार, रेड्डी बीते 100 सालों में यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय वैज्ञानिक हैं। बता दें कि यूनाइटेड किंगडम के रॉयल एरोनॉटिकल सोसाइटी की ओर से रेड्डी को यह सम्मान भारत में विविधीकृत मिसाइल प्रणालियों, एयरोस्पेस वाहनों, निर्देशित हथियारों और एविओनिक्स प्रौद्योगिकियों की डिजाइन, विकास और तैनाती में योगदान के लिए दिया गया है।

अब युद्ध में घायलों के परिवार को एक साल तक मिलेगी सरकारी आवास सुविधा

नई दिल्ली (आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है जिसमें तीनों सेनाओं के युद्ध में घायल जवानों को मिलने वाली सरकारी आवास सुविधा को बढ़ाकर एक साल तक कर दिया गया है। पहले यह सुविधा केवल तीन महीने के लिए दी जाती थी। इसे लेकर रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान जारी करते हुए कहा, सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं और मांगों के मद्देनजर, रक्षा मंत्रालय ने मौजूदा प्रावधानों की समीक्षा की और सेवा कर्मियों के मनोबल को बढ़ाने के लिए अवधि बढ़ाने की सिफारिश की। जिसे की सरकार ने मान लिया है। वर्तमान में यदि सशस्त्र बल का कोई कर्मी दुश्मन सेना के खिलाफ कार्रवाई में या दुश्मन का हवाई हमलों में मारा जाता है तो उसके परिवार को तीन महीने के लिए सरकारी आवास की सुविधा दी जाती थी जिसे अब बढ़ाकर एक साल कर दिया गया है।

सबरीमाला मंदिर में दर्शन के लिए पहुंची बिंदु अम्मिनी पर मिर्च के स्प्रे से हमला

कोच्चि (आरएनएस)। महाराष्ट्र की महिला अधिकार कार्यकर्ता तृप्ति देसाई सबरीमाला मंदिर में प्रवेश करने के लिए मंगलवार सुबह केरल के कोच्चि एयरपोर्ट पहुंचीं। इसी बीच खबर आई है कि कोच्चि आयुक्त कार्यालय के बाहर तृप्ति देसाई के साथ पिछले साल सबरीमाला मंदिर जाने वाली बिंदु अम्मिनी के ऊपर हमला किया गया है। बिंदु अम्मिनी ने आरोप लगाया है कि आयुक्त कार्यालय के बाहर उनके ऊपर मिर्च पाउडर डालने की कोशिश की गई।

पीएसएलवी-सी47 के छोड़े जाने की उल्टी गिनती शुरू

» एक बार फिर इतिहास रचने की तैयारी में इसरो

श्रीहरिकोटा (आरएनएस)। देश का ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी-सी47) बुधवार सुबह 9.28 बजे कार्टोसैट-3 और 13 वाणिज्यिक छोटे उपग्रहों के साथ अंतरिक्ष के लिए प्रस्थान करेगा और इसके लिए मंगलवार सुबह 7.28 बजे उल्टी गिनती शुरू हो गई। इसे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र शार से छोड़ा जाएगा। भारत के पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी) रॉकेट से 14 उपग्रहों को सिर्फ 27 मिनट में अंतरिक्ष में भेजेगा। इसरो अपने पीएसएलवी-एक्सएल वेरिएंट के साथ 14 उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित करेगा।

इसरो द्वारा किए गए एक ट्वीट के अनुसार, पीएसएलवी-सी47 एक्सएल कन्फीगरेशन में पीएसएलवी की यह 21वीं उड़ान होगी। यह श्रीहरिकोटा स्थित एसडीएससी शार से 74वां प्रक्षेपण यान मिशन होगा। कार्टोसैट-3 उपग्रह उच्च गुणवत्ता की तस्वीरें लेने की क्षमता से लैस तीसरी पीढ़ी का उन्नत उपग्रह है। यह 509 किलोमीटर ऊंचाई पर स्थित कक्षा में 97.5 डिग्री पर स्थापित होगा। उपग्रह शहरी नियोजन, ग्रामीण संसाधन और बुनियादी ढांचे के विकास, तटीय भूमि उपयोग और अन्य की मांगों की पूर्ति के लिए तस्वीरें ले सकेगा।

भारतीय अंतरिक्ष विभाग के न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) के साथ हुए एक समझौते के तहत पीएसएलवी अपने साथ अमेरिका के 13 वाणिज्यिक छोटे उपग्रहों को भी लेकर जाएगा। अमेरिका इस काम के लिए इसरो की नई वाणिज्यिक शाखा- न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड को भुगतान करेगा।

रोजगार में महिलाओं की स्थिति बेहतर

» युवाओं में सबसे ज्यादा बेरोजगारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। नियमित कमाई और रोजगार के मामले में महिलाएं पुरुषों से बेहतर स्थिति में हैं। हालांकि चिंता की बात यह है कि 15 से 29 साल के युवाओं में बेरोजगारी की दर सबसे ज्यादा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी नवीनतम नियतकालिक श्रम कार्यबल सर्वे में यह बात सामने आई है। सूत्रों के अनुसार यह सर्वे अप्रैल से जून 2018 और जनवरी से मार्च 2019 के लिए किया गया था। केरल और जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी की दर सबसे ज्यादा है। यही नहीं सर्वे के अनुसार कुल शहरी कामगारों में नियमित आमदनी अर्जित करने वालों और वेतनभोगी कर्मचारियों का हिस्सा 48.3 फीसदी से बढ़कर महज 50 फीसदी ही हुआ है. यह सुस्त बढ़त को दर्शाता है. अप्रैल 2018 से मार्च 2019 तक की चार तिमाहियों यानी एक साल के दौरान संगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिला वेतनभोगी कामगारों की संख्या में 2.1 फीसदी की बढ़त हुई है, जबकि पुरुष कामगारों की संख्या में 1.5 फीसदी की बढ़त हुई है।

स्वरोजगार में भी आई गिरावट- सर्वे के मुताबिक जनवरी से मार्च 2019 की तिमाही में 15 से 29 वर्ष के युवाओं में बेरोजगारी दर 22.5 फीसदी की ऊंचाई तक रही है। इस वर्ग में बेरोजगारी की दर सबसे ज्यादा रही है। नवीनतम सर्वे के अनुसार, इस वर्ग में स्वरोजगार में लगे युवाओं का हिस्सा अप्रैल-जून 2018 के 38.9 फीसदी के मुकाबले जनवरी से मार्च 2019 में 37.7 फीसदी ही रहा है. सर्वे के मुताबिक पुरुषों और महिलाओं, दोनों के स्वरोजगार में गिरावट आई है।

केरल और जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी की दर सबसे ज्यादा- एनएसओ के द्वारा राज्यों में रोजगार की हालत पर किए गए एक विश्लेषण से यह पता चलता है कि केरल और जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी की दर सबसे ज्यादा और गुजरात तथा कर्नाटक में बेरोजगारी की दर सबसे कम है।

किन सेक्टर के रोजगार में आई गिरावट- सर्वे के मुताबिक पिछली चार तिमाहियों में कृषि क्षेत्र में रोजगार में गिरावट आई है। यह गिरावट पुरुषों और महिलाओं दोनों के रोजगार के मामले में है। इसी तरह माइनिंग, मैन्युफैक्चरिंग और कंस्ट्रक्शन सेक्टर में भी रोजगार में गिरावट आई है।

कश्मीर में रेलवे चला रहा है 16 रेलगाड़ियां

» कश्मीर घाटी में रेल सेवाएं बहाल

नई दिल्ली (आरएनएस)। सर्दी के मौसम में कश्मीर घाटी में बर्फबारी के कारण वाहनों की आवाजाही अक्सर थम जाती है। इस स्थिति में कश्मीर घाटी में ट्रेन परिचालन को परिवहन का श्रेष्ठ माध्यम समझा जाता है। बारामूला से बनिहाल तक (138 किलोमीटर) क्षेत्र के बीच स्थानीय यात्री रेलगाड़ी से सफर करते हैं। इनके लाभ के लिए भारतीय रेल ने ट्रेन सेवाओं की बहाली की है। सरकार तथा रेल पुलिस द्वारा सुरक्षा का जायजा लेने और उनके आश्वासनों के बाद कश्मीर घाटी में रेल सेवाएं फिर से शुरू करने का निर्णय लिया गया।

रेलवे के अनुसार हाल में 7 नवम्बर, 2019 को भारी बर्फ बारी के कारण रेल पटरियों पर 20 से 45 सेंटीमीटर बर्फजम गई थी। बर्फहटाने वाली मशीनें रेल पटरियों पर लगाई गईं। रेल पटरियों पर सुरक्षित परिचालन की अनुमति से पहले श्रीनगर-बारामूला तथा श्रीनगर-बनिहाल सेक्शन को ठीक किया गया। 10 नम्बर, 2019 को श्रीनगर-बारामूला सेक्शन के बीच निरीक्षण तथा ट्रायल का काम किया गया। यही कार्य 16 नवम्बर, 2019 को श्रीनगर-बनिहाल सेक्शन पर किया गया। 12 नवम्बर, 2019 से सवेरे 10 बजे से अपह 3 बजे तक 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से श्रीनगर-बारामूला के बीच रेलगाड़ियों की दो जोड़ियां चलाई गईं। इसी तरह 17 नवम्बर को श्रीनगर-बनिहाल सेक्शन पर 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से रेल सेवाएं प्रारंभ की गईं। अब सेवाओं के समय में वृद्धि कर दी गई है और सवेरे 8 बजे से शाम 5 बजे तक रेल परिचालन हो रहा है।

लोकपाल को मिला 'लोगो' और आदर्श वाक्य

नई दिल्ली (आरएनएस)। भ्रष्टाचार रोधी संस्था लोकपाल को मंगलवार को इसका 'लोगो' और 'आदर्श वाक्य' मिल गया। कार्मिक मंत्रालय के बयान के मुताबिक इसके लिए एक खुली प्रतियोगिता के जरिए 6,000 से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं। खुली प्रतियोगिता के तहत देश के विभिन्न हिस्से से विभिन्न आयु वर्ग के लोगों से 'लोगो' के लिए 2,236 तथा 'आदर्श वाक्य' के लिए 4,705 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। कार्मिक मंत्रालय ने बताया कि 'लोगो' का डिजाइन प्रविष्टियों में से चुना गया, लेकिन आदर्श वाक्य के लिए किसी भी प्रविष्टि को उपयुक्त नहीं पाया गया और इसे स्वयं लोकपाल ने चुना। बयान में बताया गया है कि त्रिस्तरीय चयन प्रक्रिया के आधार पर उत्तरप्रदेश के इलाहाबाद के रहने वाले प्रशांत मिश्र की डिजाइन को लोकपाल के लोगो के लिए चुना गया है।

भारतीय अमेरिकी छात्रा की यौन उत्पीड़न के बाद गला दबाकर हत्या

वॉशिंगटन। शिकागो में भारतीय अमेरिकी 19 वर्षीय छात्रा की यौन उत्पीड़न के बाद गला दबाकर हत्या कर दी गई। हत्या की इस बर्बर घटना के बाद से भारतीय समुदाय सकते में है। पुलिस ने बताया कि रूथ जॉर्ज मूल रूप से हैदराबाद की रहने वाली थी और यहां इलिनॉयस विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रही थी। शनिवार को युवती के परिवार ने ही एक वाहन की पीछे वाली सीट पर उसका शव बरामद हुआ।

हमलावर डॉनल्ड थर्मन (26) को रविवार को शिकागो मेट्रो स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। वह विश्वविद्यालय से जुड़ा हुआ नहीं है। सोमवार को उस पर औपचारिक रूप से आरोप तय किए गए। चिकित्सीय जांच में पता चला है कि रूथ की मौत गला दबाने से हुई है।

विश्वविद्यालय ने बताया कि रूथ के परिवार ने विश्वविद्यालय पुलिस को शनिवार को बताया था कि उनकी बेटी से शुक्रवार से बातचीत नहीं हो पाई है। उसके फोन के हालस्टेड स्ट्रीट पार्किंग गैरेज में होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस और परिवार के सदस्य वहां पहुंचे जहां वाहन में उसका शव मिला। विश्वविद्यालय के अनुसार, रूथ का पीछा कर रहे आरोपी की फुटेज पुलिस ने वहां लगे कैमरों से बरामद की। इसके बाद उसे रविवार को हालस्टेड और हैरिसन मार्ग के बीच ब्लू लाइन स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। उसने पूछताछ के दौरान अपना गुनाह स्वीकार कर लिया है। विश्वविद्यालय के चांसलर माइकल डी. एमीरिडिस ने भी रूथ के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

रेलवे स्टेशनों को डिजिटल बदलाव का केन्द्र बनाने में मदद करेंगेः गोयल

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रेलवे के सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (पीएसयू) रेलटेल ने 25 नवम्बर को नई दिल्ली में अपना 20वां स्थापना दिवस मनाया। रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। रेल राज्य मंत्री सुरेश सी. अंगड़ी भी इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन विनोद कुमार यादव, रेलवे बोर्ड के सदस्य (सिग्नल एवं दूरसंचार) प्रदीप कुमार, रेलवे बोर्ड के अन्य सदस्य तथा रेलवे, दूरसंचार विभाग (डॉट) एवं रेलवे के पीएसयू के वरिष्ठ अधिकारी और दूरसंचार क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

रेल मंत्री पीयूष गोयल ने इस अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रेलटेल की अभूतपूर्व यात्रा के लिए उसे बधाई दी। गोयल ने कहा कि रेलटेल सही मायनों में नई सदी का पीएसयू है जिसका इतिहास तो संक्षिप्त है लेकिन उज्ज्वल भविष्य काफी लंबा है। उन्होंने कहा कि रेलटेल ने 5400 से भी अधिक रेलवे स्टेशनों पर वाई-फाई सेवा के जरिए देश के हर कोने में वाई-फाई उपलब्ध कराकर उल्लेखनीय काम किया है। उन्होंने कहा कि रेलटेल अब विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर है, इसलिए उसे आने वाले वर्षों में नई ऊंचाइयों को छूने और 100 करोड़ रुपये की कंपनी बनने का लक्ष्य तय करने की जरूरत है।

रेलटेल की स्टेशन वाई-फाई परियोजना की सराहना करते हुए गोयल ने कहा, 'वाई-फाई की सुविधा वाले 5400 से अधिक स्टेशन आने वाले समय में रेलवे स्टेशनों को डिजिटल बदलाव का केन्द्र बनाने में मदद करेंगे।'

'आरसीईपी' किसानों के हित में नहीं:गिरिराज

» राष्ट्रीय दुग्ध दिवस

नईदिल्ली (आरएनएस)। केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को राष्ट्रीय दुग्ध दिवस-2019 के अवसर पर नई दिल्ली स्थित पूसा में उद्यमियों, दुग्ध उत्पादक किसानों, शिक्षाविदों और मीडिया को संबोधित किया। सिंह ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आरसीईपी) में शामिल न होकर 10 करोड़ किसानों के हितों की रक्षा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'गांव गरीब किसान' की बेहतरी को सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और 'आरसीईपी' किसानों के हित में नहीं है। सिंह ने यह भी कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि वह भारत के किसानों की जरूरतों की अनदेखी नहीं कर सकते हैं।'

गिरिराज सिंह ने कहा कि दुग्ध उत्पादन वर्ष 2013-14 के 137.7 मिलियन टन से बढ़कर वर्ष 2018-19 में 187.75 मिलियन टन के स्तर पर पहुंच गया जो 36.35 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। इसी तरह दुग्ध की प्रति व्यक्ति उपलब्धता वर्ष 2013-14 के 307 ग्राम से बढ़कर वर्ष 2018-19 में 394 ग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। वर्ष 2009 से वर्ष 2014 तक की अवधि के दौरान दूध उत्पादन की वार्षिक वृद्धि दर 4.2 प्रतिशत आंकी गई थी जो वर्ष 2014 से वर्ष 2019 तक की अवधि के दौरान बढ़कर 6.4 प्रतिशत हो गई है। वर्ष 2014 से वर्ष 2019 तक की अवधि के दौरान विश्व दूध उत्पादन की वार्षिक वृद्धि दर में 1.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि भारत दरअसल वैश्विक डेयरी उद्योग के लिए आशा की किरण है और विश्व स्तर पर उद्यमियों के लिए व्यापक अवसर हैं। उन्होंने कहा कि भारत पिछले 20 वर्षों से निरंतर पूरी दुनिया में दूध का सबसे बड़ा उत्पादक है। उन्होंने कहा कि पशुधन की उत्पादकता बढ़ाने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा किए गए विभिन्न उपायों की बदौलत ही यह उल्लेखनीय वृद्धि संभव हो पाई है।

सिंह ने यह भी कहा कि पशुधन क्षेत्र भूमिहीन और सीमांत किसानों की आजीविका एवं उनके हितों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने कहा कि भारत में लगभग 70 मिलियन ग्रामीण परिवार कुल 80 प्रतिशत गायों के साथ डेयरी उद्योग में संलग्न हैं। सिंह ने बताया कि दुग्ध सहकारी समितियों ने कुल दूध खरीद के लगभग 20 प्रतिशत को ऐसे पारंपरिक एवं मूल्य वर्द्धित उत्पादों में तब्दील कर दिया गया है जो लगभग 20 प्रतिशत ज्यादा राजस्व अर्जित करते हैं। उन्होंने कहा कि मूल्य वर्द्धित उत्पादों की इस हिस्सेदारी के वर्ष 2023-24 तक बढ़कर 40 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है।